(Maharashtra), Shri Jose K. Mani (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Shri Mohammed Nadimul Haque (West Bengal), Shrimati Sagarika Ghose (West Bengal), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri K.R.N. Rajeshkumar (Tamil Nadu) and Shri Tiruchi Siva (Tamil Nadu).

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shrimati Maya Naroliya - Demand to increase effectiveness of One-Stop Centers and its numbers in Madhya Pradesh.

Demand to increase effectiveness of One-Stop Centers and its numbers in Madhya Pradesh

श्रीमती माया नारोलिया (मध्य प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपका धन्यवाद करती हूं कि आपने इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने के लिए मुझे अवसर प्रदान किया।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री जी का ध्यान 'वन स्टॉप सेंटर' की ओर आकर्षित करना चाहती हूं। महोदय, पूरे भारत देश में अभी तक 878 वन स्टॉप सेंटर खोले गए हैं, जिनमें से वर्तमान में 802 कार्यरत हैं। मध्य प्रदेश में 64 वन स्टॉप सेंटर खोले गए हैं, जिनमें से वर्तमान में 57 कार्यरत हैं।

उपसभापति महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह निवेदन करती हूं कि हॉस्पिटल, पुलिस स्टेशन, रेलवे स्टेशन एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर ये वन स्टॉप सेंटर्स रणनीतिक रूप से स्थित हों, ताकि आसान पहुंच सुनिश्चित हो सके। महोदय, इन केंद्रों के कर्मचारियों और ज़रूरतमंद महिलाओं को प्रभावी सहायता करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की बहुत आवश्यकता है, उन्हें प्रशिक्षण मिलना बहुत ज़रूरी है। इसके अलावा, इन केंद्रों की पहुंच बढ़ाने के लिए एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम लागू करने की तत्काल आवश्यकता है। ऐसी पहलों से जनता को वन स्टॉप सेंटर (OSC) द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के बारे में शिक्षित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक महिलाएं इन आवश्यक सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित होंगी। इससे उनकी सुरक्षा और कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करती हूं कि वे मध्य प्रदेश में 'वन स्टॉप सेंटर' की प्रभावकारिता और नम्बर बढ़ाने के लिए इन उपायों पर विचार करें। हालांकि, हमारी भारतीय जनता पार्टी की मध्य प्रदेश सरकार, सरकार के माध्यम से और महिला बाल विकास मंत्रालय के माध्यम से बहुत अच्छा कार्य कर रही है, लेकिन इसको और बेहतर और प्रभावी बनाने के लिए निश्चित रूप से प्रशिक्षण और महिलाओं को प्रशिक्षित किए जाने की बहुत आवश्यकता है, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shrimati Maya Naroliya: Shri M. Mohamed

Abdulla (Tamil Nadu), Shri Mayankbhai Jaydevbhai Nayak (Gujarat), Shri Mahendra Bhatt (Uttarakhand), Shri Niranjan Bishi (Odisha) and Dr. Sasmit Patra (Odisha).

Now, Shri Pramod Tiwari, "Concern over crashing of Indian Stock Market and its impact on investors.

Concern over Crashing of Indian Stock Market and its impact on investors

श्री प्रमोद तिवारी (राजस्थान) : उपसभापति महोदय, दलाल स्ट्रीट रक्त रंजित हो गया है। चारों तरफ तबाही मची हुई है। शेयर मार्किट में तीस साल की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है। पिछले पांच महीने में 95 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए हैं। विदेशी निवेशकों को भारतीय बाजार अब आकर्षक नहीं लग रहा है। इसलिए छह महीने में 1.67 लाख करोड़ रुपये बाजार से निकाले गए हैं। इन विदेशी निवेशकों को अमरीका और चीन का बाजार ज्यादा आकर्षक नज़र आ रहा है, तभी तो पिछले छह महीने में चीन के बाजार में 17 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है, जबकि इसके एवज में भारतीय बाजार में 12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस तबाही के बीच सरकार मौन साधे हुए हैं। भारतीय शेयर बाजार, विश्व में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले बाजारों में शामिल हो गया है। बड़े-बड़े शेयर धड़ाधड़ गिर रहे हैं। बाजार की इस गिरावट का सबसे ज्यादा नुकसान छोटे निवेशकों को हो रहा है। वैश्विक बाजारों की कमज़ोरी, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमरीका के नए टैरिफ से जुड़ी चिंताओं के चलते बाजार में यह गिरावट देखी जा रही है, लेकिन इस गिरावट में घरेलू कारण भी शामिल हैं। देश में आर्थिक मंदी की चिंता, उम्मीद से कम कमाई, रुपये की लगातार कमज़ोरी और कम उपभोग के कारण कॉरपोरेट कमाई भी शामिल है। भारत की जीडीपी में गिरावट आई है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि वित्त वर्ष 2025 की जीडीपी वृद्धि दर, आरबीआई और एनएसओ के पूर्वानुमान से कम रहेगी, क्योंकि वित्तीय वर्ष की पहली तिमाहियों में आर्थिक विकास तुलनात्मक रूप से धीमा है। सर, रुपये की कमज़ोरी ने विदेशी पूंजी निकास को बढ़ा दिया है, जिससे बाजार की धारणा पर और दबाव पड़ा है। दिसंबर-जनवरी महीने में एक करोड़ से ज्यादा लोगों ने एसआईपी बंद कर दिए। भारतीय शेयर बाजार अकसर देश की आर्थिक सेहत का पैमाना माना जाता रहा है। सरकार से शेयर बाजारों में गिरावट को रोकने के लिए दखल देने की मांग बढ़ गई है। मैं इस सदन के माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं कि नियोजकों को राहत पहुंचाने के लिए कोई ठोस कदम उठाए। इस सरकार की आर्थिक नीति देश को तबाही और बरबादी की ओर ले जा रही है। सरकार को सुधार करने की जरूरत है। जो कुछ लोग विश्व गुरु बन रहे हैं, विश्व गुरु कम से कम आर्थिक नीति को छोड़ दो, इसलिए छोड़ दो, क्योंकि उसमें आपने देश को तबाह और बरबाद किया है। मैं इन शब्दों के साथ सरकार से दखल की मांग करता हूं, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Pramod Tiwari : Shri Mallikarjun Kharge (Karnataka), Shri Tiruchi Siva (Tamil Nadu), Shri Sanjay Singh (National Capital Territory of Delhi), Shri P. P. Suneer (Kerala), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shri Haris